A–0163

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAJY (N)-220

मेलापक एवं विवाह

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. विवाह लग्न के महत्व को बताते हुए मेलापक के उद्देश्यों का विवेचन कीजिए।

2. विवाह कारक योगों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

3. वरवरण मुहूर्त एवं वरवरण की विधियों का वर्णन कीजिए।

4. कुज दोष विचार एवं परिहार का वर्णन कीजिए।

5. विवाह मुहूर्त का विस्तृत कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भकूट एवं नाडी का परिचय देते हुए भकूट दोष, नाडी दोष एवं उसके परिहारों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

2. वैधव्य योग एवं विधुर योग का विवेचन कीजिए।

3. वधूप्रवेश मुहूर्त का वर्णन कीजिए।

4. गण्डान्त दोष एवं कर्त्तरी दोष का विवेचन कीजिए।

5. एकार्गल दोष, उपग्रह दोष एवं कुलिक दोष का प्रतिपादक कीजिए।

6. द्विरागमन मुहूर्त का वर्णन कीजिए।

7. विवाह में गोधूली लग्न के महत्व का प्रतिपादन कीजिए।

8. विवाह में अष्टम लग्न दोष एवं परिहार का वर्णन कीजिए।

****